5. हिंदी (ऐच्छिक) कोड संख्या-002

कक्षा-XI-XII

प्रस्तावना :

उच्चतर माध्यमिक स्तर में प्रवेश लेने वाला विद्यार्थी पहली बार सामान्य शिक्षा से विशेष अनुशासन की शिक्षा की ओर उन्मुख होता है। दस वर्षों में विद्यार्थी भाषा के कौशलों से परिचित हो जाता है। भाषा और साहित्य के स्तर पर उसका दायरा अब घर, पास-पड़ोस, स्कूल, प्रांत और देश से होता हुआ धीरे-धीरे विश्व तक फैल जाता है। वह इस उम्र में पहुँच चुका है कि देश की सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याओं पर विचार-विमर्श कर सके, एक ज़िम्मेदार नागरिक की तरह अपनी ज़िम्मेदारियों को समझ सके तथा देश और खुद को सही दिशा दे सकने में भाषा की ताकत को पहचान सके। ऐसे दृढ़ भाषिक और वैचारिक आधार के साथ जब विद्यार्थी आता है तो उसे विमर्श की भाषा के रूप में हिंदी की व्यापक समझ और प्रयोग में दक्ष बनाना सबसे पहला उद्देश्य होगा। किशोरावस्था से युवावस्था के इस नाज़ुक मोड़ पर किसी भी विषय का चुनाव करते समय बच्चे और उनके अभिभावक इस बात को लेकर सबसे अधिक चिंतित रहते हैं कि चयनित विषय उनके भावी कैरियर और जीविका के अवसरों में मदद करेगा कि नहीं। इस उम्र के विद्यार्थियों में चिंतन और निर्णय करने की प्रवृत्ति भी प्रबल होती है। इसी आधार पर वे अपने मानसिक, सामाजिक, बौद्धिक और भाषिक विकास के प्रति भी सचेत होते हैं और अपने भावी अध्ययन की दिशा तय करते हैं। इस स्तर पर ऐच्छिक हिंदी का अध्ययन एक सृजनात्मक, साहित्यिक, सांस्कृतिक और विभिन्न प्रयुक्तियों की भाषा के रूप में होगा। इस बात पर भी बल दिया जाएगा कि निरंतर विकसित होती हिंदी के अखिल भारतीय स्वरूप से बच्चे का रिश्ता बन सके।

इस स्तर पर विद्यार्थियों में भाषा के लिखित प्रयोग के साथ-साथ उसके मौखिक प्रयोग की कुशलता और दक्षता का विकास भी ज़रूरी है। प्रयास यह भी होगा कि विद्यार्थी अपने बिखरे हुए विचारों और भावों की सहज और मौलिक अभिव्यक्ति की क्षमता हासिल कर सके।

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से :

1. विद्यार्थी अपनी रुचि और आवश्यकता के अनुरूप साहित्य का गहन और विशेष अध्ययन जारी रख सकेंगे।
2. विश्वविद्यालय स्तर पर निर्धारित हिंदी-साहित्य से संबंधित पाठ्यक्रम के साथ सहज संबंध स्थापित कर सकेंगे।
3. लेखन-कौशल के व्यावहारिक और सृजनात्मक रूपों की अभिव्यक्ति में सक्षम हो सकेंगे।
4. रोजगार के किसी भी क्षेत्र में जाने पर भाषा का प्रयोग प्रभावी ढंग से कर सकेंगे।
5 यह पाठ्यक्रम विद्यार्थी को संचार तथा प्रकाशन जैसे विभिन्न - क्षेत्रों में अपनी क्षमता व्यक्त के अवसर करने प्रदान कर सकता है।

उद्देश्य :

- सृजनात्मक साहित्य की सराहना, उसका आनंद उठाना और उसके प्रति सृजनात्मक और आलोचनात्मक दृष्टि का विकास।
- साहित्य की विविध विधाओं (कविता, कहानी, निबंध आदि), महत्त्वपूर्ण कवियों और रचनाकारों, प्रमुख धाराओं और शैलियों का परिचय कराना।
- भाषा की सृजनात्मक बारीकियों और व्यावहारिक प्रयोगों का बोध तथा संदर्भ और समय के अनुसार प्रभावशाली ढंग से उसकी मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कर सकना।
- विभिन्न ज्ञानानुशासनों के विमर्श की भाषा के रूप में हिंदी की विशिष्ट प्रकृति एवं क्षमता का बोध कराना।
- साहित्य की प्रभावशाली क्षमता का उपयोग करते हुए सभी प्रकार की विविधताओं (धर्म, जाति, लिंग, वर्ग, भाषा आदि) एवं अंतरों के प्रति सकारात्मक और संवेदनशील रवैये का विकास कराना।
- देश-विदेश में प्रचलित हिंदी के रूपों से परिचित कराना।
- संचार-माध्यमों (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक) में प्रयुक्त हिंदी की प्रकृति से अवगत कराना और नवीन विधियों के प्रयोग की क्षमता का विकास करना।
- साहित्य की व्यापक धारा के बीच रखकर विशिष्ट रचनाओं का विश्लेषण और विवेचन करने की क्षमता हासिल करना।
- विपरीत परिस्थितियों में भी भाषा का इस्तेमाल शांति के साथ करना।
- अमूर्त विषयों पर प्रयुक्त भाषा का विकास और कल्पनाशीलता और मौलिक चिंतन के लिए प्रयोग करना।

शिक्षण-युक्तियाँ :

इन कक्षाओं में उचित वातावरण-निर्माण में अध्यापकों की भूमिका सदैव सहायक की होनी चाहिए। उनको भाषा और साहित्य की पढ़ाई में इस बात पर ध्यान देने की ज़रूरत होगी कि-

- कक्षा का वातावरण संवादात्मक हो ताकि अध्यापक, विद्यार्थी और पुस्तक तीनों के बीच एक रिश्ता बन सके।
- गलत से सही की ओर पहुँचने का प्रयास हो। यानी बच्चों को स्वतंत्र रूप से बोलने, लिखने और पढ़ने दिया जाए और फिर उनसे होने वाली भूलों की पहचान करा कर अध्यापक अपनी पढ़ाने की शैली में परिवर्तन करे।
- ऐसे शिक्षण-बिंदुओं की पहचान की जाए, जिससे कक्षा में विद्यार्थी की सक्रिय भागीदारी रहे और अध्यापक भी उनका साथी बना रहे।
- भिन्न क्षमता वाले विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त शिक्षण-सामग्री का इस्तेमाल किया जाए तथा किसी भी प्रकार से उन्हें अन्य विद्यार्थियों से कमतर या अलग न समझा जाए।

- विभिन्न विधाओं से संबंधित रुचिकर और महत्त्वपूर्ण 10 अन्य पुस्तकें- स्वयं पढ़ने के लिए उन्हें प्रेरित किया जाए।
- कक्षा में अध्यापक को हर प्रकार की विभिन्नताओं (लिंग, धर्म, जाति, वर्ग आदि) के प्रति सकारात्मक और संवेदनशील वातावरण निर्मित करना चाहिए।
- सृजनात्मकता के अभ्यास के लिए विद्यार्थी से साल में कम से कम दो रचनाएँ लिखवाई जाएँ।

हिंदी (ऐच्छिक) (कोड सं० 002)

कक्षा - 11 (2016-17)

खण्ड	विषय		अंक
(क)	**अपठित अंश**		**15**
	1.	अपठित गद्यांश पर आधारित बोध, प्रयोग, रचनांतरण, शीर्षक आदि पर लघूत्तरात्मक प्रश्न (2x4 लघूत्तरात्मक प्रश्न + 1x2 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न)	10
	2.	अपठित काव्यांश पर आधारित पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न	05
(ख)	**कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन (पुस्तकः अभिव्यक्ति और माध्यम)**		**25**
	3.	किसी एक विषय पर निबंध (विकल्प सहित)	10
	4.	कार्यालयी पत्र (विकल्प सहित)	05
	5.	जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता के विविध आयामों पर पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न (1x5)	05
	6.	व्यावहारिक लेखन (प्रतिवेदन, कार्यसूची, कार्यवृत्त इत्यादि) पर एक प्रश्न	05
(ग)	**पाठ्यपुस्तकें**		**50**
	1)	**अंतरा भाग-1**	**35**
	अ)	**काव्य भाग**	**20**
	7.	एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या	08
	8.	कविता के कथ्य पर दो प्रश्न (3+3)	06
	9.	कविताओं के काव्य-सौंदर्य पर दो प्रश्न (3+3)	06
	ब)	**गद्य भाग**	**15**
	10.	एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या	04
	11.	पाठों की विषयवस्तु पर दो प्रश्न (3+3)	06
	12.	किसी एक लेखक/कवि का साहित्यिक परिचय	05

	2)	**अंतराल भाग-1**	**15**
	13.	पाठों की विषयवस्तु पर आधारित एक **मूल्यपरक** प्रश्न	05
	14.	विषयवस्तु पर आधारित दो निबंधात्मक प्रश्न (5+5)	10
(घ)	**मौखिक परीक्षा (श्रवण तथा वाचन)**		**10**
		कुल	**100**

मौखिक परीक्षा (श्रवण तथा वाचन) हेतु दिशा निर्देश

वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना, वार्तालाप करना, वाद-विवाद, भाषण, कवितापाठ आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के ढंग को समझना।

भाषण, सस्वर कविता-पाठ, वार्तालाप और उसकी औपचारिकता, कार्यक्रम-प्रस्तुति, कथा-कहानी अथवा घटना सुनाना, परिचय देना, भावानुकूल संवाद-वाचन।

टिप्पणी: वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय ही होगा। निर्धारित 10 अंकों में से 5 श्रवण (सुनना) कौशल के मूल्यांकन के लिए और 5 वाचन (बोलना) कौशल के मूल्यांकन के लिए होंगे।

परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 250 शब्दों का होना चाहिए। अध्यापक को सुनते-सुनते परीक्षार्थी अलग कागज़ पर दिए हुए श्रवण बोध के अभ्यासों को हल कर सकेंगे। अभ्यास रिक्तस्थान-पूर्ति, बहुविकल्पी अथवा सत्य/असत्य का चुनाव आदि विधाओं में हो सकते हैं। आधे-आधे अंक के 10 प्रश्न लिये जा सकते हैं।

1. **चित्रों के क्रम पर आधारित वर्णन :** इस भाग में अपेक्षा की जाएगी कि विद्यार्थी विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें।
2. **किसी चित्र का वर्णन :** चित्र लोगों या स्थानों के हो सकते हैं।
3. **किसी निर्धारित विषय पर बोलना :** जिससे विद्यार्थी अपने व्यक्तिगत अनुभव का प्रत्यास्मरण कर सकें।
4. **कोई कहानी सुनाना या किसी घटना का वर्णन करना।**

टिप्पणी:

1. परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को कुछ तैयारी के लिए समय दिया जाए।

2. विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।

3. निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव-जगत के हों। जैसे: कोई चुटकला या हास्य प्रसंग सुनाना।

   हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे हुए चलचित्र (सिनेमा) की कहानी सुनाना।

4. जब परीक्षार्थी बोलना आरंभ कर दे तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करे।

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन

(इस बात का निश्चय करना कि क्या विद्यार्थी में श्रवण और वाचन की निम्नलिखित योग्यताएँ हैं।)

	श्रवण (सुनना)		**वाचन (बोलना)**
1.	परिचित संदर्भों में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है किन्तु वह सुसंबद्ध आशय को नहीं समझ पाता।	1.	केवल अलग-अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है किन्तु एक सुसंबद्ध स्तर पर नहीं बोल सकता।
2.	छोटे संबद्ध कथनों को परिचित संदर्भों में समझने की योग्यता है।	2.	परिचित संदर्भों में केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित शुद्धता से प्रयोग करता है।
3.	परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भों में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है।	3.	अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में अधिक जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है, अभी भी कुछ अशुद्धियाँ करता है, जिससे प्रेषण में रुकावट आती है।
4.	दीर्घ कथनों की श्रृंखला को पर्याप्त शुद्धता से समझने के ढंग और निष्कर्ष निकाल सकने की योग्यता है।	4.	अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा-प्रवाह रूप में प्रस्तुत करता है। ऐसी गलतियाँ करता है जिनसे प्रेषण में रुकावट नहीं आती।
5.	जटिल कथनों के विचार-बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करने की क्षमता है। वह उद्देश्य के अनुकूल सुनने की कुशलता प्रदर्शित करता है।	5.	उद्देश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है, ऐसा करते समय वह केवल मामूली गलतियाँ करता है।

प्रस्तावित पुस्तकें:

1. **अंतरा भाग-1** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित
2. **अंतराल भाग-1** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित
3. **अभिव्यक्ति और माध्यम** - एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित (खण्ड-ख **कामकाज़ी हिंदी और रचनात्मक लेखन हेतु**)

हिंदी (ऐच्छिक) (कोड सं० 002)
कक्षा - 12 (2016-17)

खण्ड		विषय	अंक
(क)	**अपठित अंश**		**20**
	1.	अपठित गद्यांश पर आधारित बोध, प्रयोग, रचनांतरण, शीर्षक आदि पर लघूत्तरात्मक प्रश्न [उपयुक्तशीर्षक (1 अंक) + लघु प्रश्न (2x7)]	15
	2.	अपठित काव्यांश पर आधारित पाँच अति लघूत्तरात्मक प्रश्न (1x5)	05
(ख)	**कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन (पुस्तकः अभिव्यक्ति और माध्यम)**		**25**
	3.	किसी एक विषय पर निबंध (विकल्प सहित)	10
	4.	कार्यालयी पत्र (विकल्प सहित) (5x1)	05
	5.	जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता के विविध आयामों पर पाँच अति लघूत्तरात्मक प्रश्न (1x5)	05
	6.	रचनात्मक लेखन पर एक प्रश्न (5x1)	05
(ग)	**पाठ्यपुस्तक**		**55**
	1)	**अंतरा भाग-2**	
	अ)	**काव्य भाग**	**20**
	7.	एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या	08
	8.	कविता के कथ्य पर दो प्रश्न (3+3)	06
	9.	कविताओं के काव्य-सौन्दर्य पर दो प्रश्न (3+3)	06
	ब)	**गद्य भाग**	**20**
	10.	एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या	06
	11.	पाठों की विषयवस्तु पर दो प्रश्न (4+4)	08
	12.	किसी एक **लेखक/कवि** का साहित्यिक परिचय	06
	2)	**अंतराल भाग-2**	**15**
	13.	पाठों की विषयवस्तु पर आधारित एक **मूल्यपरक** प्रश्न	05
	14.	विषयवस्तु पर आधारित दो निबंधात्मक प्रश्न (5+5)	10
		कुल	**100**

1. **अंतरा भाग-2** एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित
2. **अंतराल भाग-2** (विविध विधाओं का संकलन) एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित
3. **अभिव्यक्ति और माध्यम** - एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित (खण्ड-ख **कामकाज़ी हिंदी और रचनात्मक लेखन हेतु**)

प्रश्नपत्र का प्रश्नानुसार विश्लेषण एवं प्रारुप

हिन्दी पाठ्यक्रम-XI ऐच्छिक (2016-17)

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रारुप	दक्षता परीक्षण/ अधिगम परिणाम	1 अंक	2 अंक	3 अंक	4 अंक	5 अंक	8 अंक	10 अंक	कुल अंक
1	अपठित बोध (पठन कौशल)	अवधारणात्मक बोध, अर्थग्रहण, अनुमान लगाना, विश्लेषण करना, शब्द-ज्ञान व भाषिक प्रयोग, सृजनात्मकता, मौलिकता।	7	4	–	–	–	–	–	15
2	कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन (लेखन कौशल)	संकेत बिन्दुओं का विस्तार, अपने मत की अभिव्यक्ति, सोदाहरण समझना, औचित्य निर्धारण, भाषा में प्रवाहमयता, सटीक शैली, उचित प्रारूप का प्रयोग, अभिव्यक्ति की मौलिकता, सृजनात्मकता, सृजनात्मकता एवं तर्किकता	5	–	–	–	2	–	1	25
3	पाठ्यपुस्तकें	प्रत्यास्मरण, विषयवस्तु का बोध एवं व्याख्या, अर्थग्रहण (भावग्रहण), लेखक के मनोभावो को समझना, शब्दों का प्रसंगानुकूल अर्थ समझना, आलोचनात्मक चिंतन, तार्किकता, सराहना, साहित्यिक परंपराओं के परिप्रेक्ष में मूल्यांकन, विश्लेषण, सृजनात्मकता, कल्पनाशीलता, कार्य-कारण संबंध स्थापित करना, साम्यता एवं अंतरों की पहचान, अभिव्यक्ति में मौलिकता एवं जीवन-मूल्यों की पहचान।	–	–	6	1	4	1	–	50
4	मौखिक परीक्षा	श्रवण तथा वाचन	–	–	–	–	–	–	–	10
कुल			**1x12= 12**	**2x4=8**	**3x6=18**	**4x1=4**	**5x6=30**	**8x1=8**	**10x1= 10**	**100 (90+10)**

प्रश्नपत्र का प्रश्नानुसार विश्लेषण एवं प्रारुप

हिन्दी पाठ्यक्रम-XII ऐच्छिक (2016-17)

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रारुप	दक्षता परीक्षण/ अधिगम परिणाम	1 अंक	2 अंक	3 अंक	4 अंक	5 अंक	6 अंक	8 अंक	10 अंक	कुल अंक	प्रतिशत
1	अपठित बोध (पठन कौशल)	अवधारणात्मक बोध, अर्थग्रहण, अनुमान लगाना, विश्लेषण करना, शब्द-ज्ञान व भाषिक प्रयोग, सृजनात्मक, मौलिकता।	6	7	–	–	–	–	–	–	20	20%
2	कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन (लेखन कौशल)	संकेत बिन्दुओं का विस्तार, अपने मत की अभिव्यक्ति, सोदाहरण समझना, औचित्य निर्धारण, भाषा में प्रवाहमयता, सटीक शैली, उचित प्रारूप का प्रयोग, अभिव्यक्ति की मौलिकता, सृजनात्मकता, सृजनात्मकता एवं तर्किकता	5	–	–	–	2	–	–	1	25	25%
3	पाठ्यपुस्तकें	प्रत्यास्मरण, विषयवस्तु का बोध एवं व्याख्या, अर्थग्रहण (भावग्रहण), लेखक के मनोभावो को समझना, शब्दों का प्रसंगानुकूल अर्थ समझना, आलोचनात्मक चिंतन, तार्किकता, सराहना, साहित्यिक परंपराओं के परिप्रेक्ष में मूल्यांकन, विश्लेषण, सृजनात्मकता, कल्पनाशीलता, कार्य-कारण संबंध स्थापित करना, साम्यता एवं अंतरों की पहचान, अभिव्यक्ति में मौलिकता एवं जीवन-मूल्यों की पहचान।	–	–	4	2	3	2	1	–	55	55%
कुल			1x11=11	2x7=14	3x4=12	4x2=8	5x5=25	6x2=12	8x1=8	10x1=10	100	100%

50